

>

Title: Regarding disorderly conduct on the part of few members in Lok Sabha during the proceedings of the House.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, कल से सभा की कार्यवाही के दौरान लोक सभा में कुछ सदस्यों द्वारा अमर्यादित आचरण की घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। पिछले कुछ दिनों से संसद में जो थोड़ी अव्यवस्था हो रही है, उससे हम सभी आहत हैं। सरकार की कुछ बातों से हम असहमत हो सकते हैं। माननीय सदस्यों की कुछ बातों और व्यवहार से भी हम आहत हो सकते हैं। सदस्यों को अपने विचार व्यक्त करने के अनेक-अनेक तरीके हैं। एक ने सम्मान को ठेस पहुंचायी, तो दूसरे सदस्यों ने व्यवस्था बिगाड़ी, यह जरूरी नहीं है। यह संसदीय गरिमा के अनुरूप नहीं है। जनता ने हमें वोट दिया है, जो सदन में नियम तोड़ने या नियमों की अवहेलना करने के लिए नहीं दिया है, बल्कि राष्ट्र एवं जनता की भलाई के लिए नियम एवं कानून बनाने हेतु दिया है।

संसद बनने के बाद जब हम यह अपेक्षा करते हैं कि मैं सांसद बना तो मेरे सम्मान की रक्षा हो, यह मेरा अधिकार है। वैसे ही सभा में नियमों का पालन करते हुए मर्यादित व्यवहार करना भी सदस्यों का कर्तव्य है। सदन में प्लेकार्ड्स प्रदर्शित करना अथवा किसी भी प्रकार का नारा नहीं लगाना चाहिए। सदन के वेल में धरना देना और सदन के अंदर अथवा बाहर प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप में अमर्यादित व्यवहार करना उचित नहीं है। सदन का सम्मान एवं प्रतिष्ठा बनाये रखते हुए व्यवस्था बनाये रखना तथा सदन की मर्यादा को ध्यान में रखते हुए उसका पालन करना यह अपने आप में हम सभी सम्माननीय सदस्यों का कर्तव्य बनता है। वास्तव में पूजातंत्र का अर्थ ही स्वअनुशासन है। जब हम ही अव्यवस्था फैलाते हैं, तो अनेक-अनेक अवांछित प्रसंग या घटनाएं घटित होती हैं। आरोप-प्रत्यारोप तथा अशोभनीय भाषा का प्रयोग होता है, जिससे हम सब राष्ट्र की जनता और पूजातांत्रिक मूल्य आहत होते हैं।

संसद की मर्यादा को बनाये रखने के लिए सदस्यों द्वारा अनुशासन और शांतिता के मानदंडों का पालन सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। लोक सभा बुलेटिन में प्रतिदिन सदस्यों द्वारा संसदीय परम्पराओं तथा व्यवस्थाओं के पालन के बारे में लोक सभा प्रकृष्टा तथा नियमों के प्रावधानों की ओर सदस्यों का ध्यान आकर्षित किया जाता है। मेरा सभी सम्माननीय सदस्यों से आग्रह है कि हम सब इस बात का निश्चय करें कि वेल में नहीं आएं, किसी भी प्रकार के प्लेकार्ड्स नहीं दिखाएंगे और सदन में अपनी समस्याओं को अपने स्थान से ही उठाएंगे और सदन की गरिमा को कायम रखते हुए सदन चलाएंगे।

माननीय सदस्यगण, पूरे देश की नज़र इस बात पर रहती है कि हम संसद में किस प्रकार का आचरण कर रहे हैं। इसलिए मैं सभी दलों के नेताओं से आग्रह करती हूँ कि वे अपने दल के सदस्यों को सदन में अमर्यादित आचरण से बचने पर बल दें। मैं सभी नेताओं तथा सदस्यों से अनुरोध करती हूँ कि वे सदन की कार्यवाही के सुचारु रूप से संचालन में अपना सहयोग दें। आसंटी का सम्मान भी अगर हम नहीं रखना चाहते, तो यह तो और भी गंभीर बात है।

â€!(व्यवधान)

श्री महिलकार्जुन खड़गे : मैडम स्पीकर, कल मैं आपके पास गया था, जब बिज़नेस एडवाइज़री कमेटी की मीटिंग आपने बुलाई थी। उस वक्त हम सभी पार्टी के रिप्रेजेंटेटिव वहाँ पर मौजूद थे। उस वक्त मैंने आपसे यही निवेदन किया कि यहाँ जो हाऊस में ऐसी घटना हुई है, जिसे यहाँ एक्सप्लेन नहीं किया जा सकता है और जो बातें यहाँ कही गई हैं, वे भी यहाँ नहीं कह सकते हैं, लेकिन आपके पास आकर श्री कल्याण बनर्जी जी ने बताया है, तो आपने आश्वासन दिया था कि मैं इस मामले को सुलझाऊँगी, बुलाकर बात करूँगी। इसीलिए इसे यहाँ छोड़ दीजिए। हम उनसे बात करके, इस समस्या को हल करेंगे। हमने यही सोचा था कि दोनों पार्टियों में बात हो गयी है और इस समस्या को सुलझा लिया गया होगा, तो इसलिए उस बारे में मैंने ज्यादा कुछ बात नहीं किया। इसलिए मेरा निवेदन है कि जब कल यह बात हुई थी, तो इस घटना के ऊपर आप कल कुछ-कुछ निर्णय ले सकते थे। तो मैं अभी भी आपसे अपील करता हूँ कि आप उस घटना के बारे में निर्णय लीजिए, क्योंकि यह दोनों तरफ से होता है, एक तरफ से ताली नहीं बजती। दोनों तरफ से ताली बजती है। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आज का यह विषय नहीं था।

â€!(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Do you want to say something?

SHRI KALYAN BANERJEE : Yes, Madam.

श्री महिलकार्जुन खड़गे : दोनों तरफ से ताली बजती है, ... (व्यवधान) तो जब गड़बड़ी उधर से होती है, तो इधर से भी होती है। ... (व्यवधान) इसीलिए मैं आपसे अपील करता हूँ कि उसे सुलझाइए। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आज उसकी कोई बात नहीं है।

â€!(व्यवधान)

श्री महिलकार्जुन खड़गे : इस पर कुछ-कुछ कीजिए। ... (व्यवधान) नहीं तो फिर ऐसे ही गड़बड़ी होती रहेगी और सदन नहीं चलेगा। ... (व्यवधान) आपने जैसा कि कहा, सारे लोग देख रहे हैं, ... (व्यवधान) तो वे यही कमेंट करेंगे कि हाऊस को कोई चलने नहीं दे रहा है। ... (व्यवधान) लेकिन इसका रेसपांस दोनों तरफ से आना चाहिए। ... (व्यवधान)

SHRI KALYAN BANERJEE : Madam, in the morning during the agitation, some of my utterances may have hurt your sentiments. I am really sorry for hurting your sentiments.

HON. SPEAKER: It was not my personal sentiment or something like that. I am here as a Speaker; and whatever I am speaking here, I am speaking as a Speaker. It is not that Sumitra Mahajan personally is saying anything.

SHRI KALYAN BANERJEE : I hurt the sentiments of the hon. Speaker's Chair. I am really sorry for that.

Secondly, Madam, yesterday when the incident happened, I had really prayed to you two times... (Interruptions)

SHRI RAJIV PRATAP RUDY(SARAN) : What incident?... (Interruptions)

SHRI KALYAN BANERJEE : Madam, kindly tell them not to disturb... (Interruptions)â€! Kindly allow me.

HON. SPEAKER: No, I am sorry. आप कल की जो बात कह रहे हैं, वह कल हाऊस में उठ चुकी है। कल की इंसिडेंट्स के बारे में हाऊस में सौगत राय जी पूरी बात रख चुके हैं। कल हाऊस में मैंने देखा है, मैं अंदर ही बैठी थी, सौगत राय जी ने ये सब बातें उठाई थीं।

â€!(व्यवधान)

HON. SPEAKER: They have said. Prof. Saugata Roy has said.

Now, Papers to be Laid on the Table.

...(Interruptions)

HON. SPEAKER: I am not allowing you.

Yes, Dr. Joshi Ji.

डॉ. मुरली मनोहर जोशी : अध्यक्ष जी, सदन में आज जो घटना हुई है और जिस प्रकार के शब्दों का प्रयोग किया गया है, वह अध्यक्ष की गरिमा के प्रतिकूल है और उनके ऊपर एक लांछन है। मैं यह निवेदन करूंगा कि इस बात को स्पष्ट किया जाना चाहिए कि आप किसी पार्टी की स्पीकर हैं या सारे सदन की स्पीकर हैं।...(व्यवधान) मैं आज की बात कर रहा हूँ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज जोशी जी, हो गया, उन्होंने सॉरी कह दिया है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज, अब कोई नहीं बोलेगा।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. मुरली मनोहर जोशी : कल जो हुआ, वह अलग बात है। आज क्या हुआ, वह एक अलग बात है।...(व्यवधान) अगर इस प्रकार की बातों की पुनरावृत्ति होगी, तो उसमें सदन का चलना बड़ा कठिन होगा।...(व्यवधान) आप सभी लोगों से मिलकर रहिए।...(व्यवधान)